Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

A–142

B.A. (Part–I) Examination, 2023

HINDI LITERATURE

Paper - II

(कथा साहित्य)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

1. (i) 'एक ज़मीन अपनी' उपन्यास का प्रमुख पात्र कौन है ? नाम बताइए।

   (ii) 'बूढ़ी काकी' कहानी की संवेदना स्पष्ट कीजिए।

(iii) 'उसने कहा था' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

(iv) मन्नू भंडारी की **दो** कृतियों के नाम लिखिए।

(v) मालती जोशी की अधिकांश कहानियाँ किससे शुरू होती हैं ?

(vi) सुदेश बत्रा किस प्रदेश की साहित्यकारा है ?

(vii) 'रेत की कोख में' किस कहानीकार की कहानी है ?

(viii) अकथ कथानुभव को व्यक्त करने वाले रचनाकारों में प्रमुख रचनाकार नाम बताइए।

(ix) 'उपन्यास' शब्द का अर्थ निर्धारित कीजिए।

(x) प्रेमचंद युग के **दो** कहानीकारों के नाम बताइए।

खण्ड–ब

नोट :– निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)।

2. 'कुर्सियाँ जब तक इन अंग्रेजों की औलादों के हाथों में हैं, कुछ नहीं होने का। हाँ, एकाध थे दूरंदेशी ..... जिन्होंने यह स्वीकार किया कि इस तर्क में दम है। उनका सुझाव था कि शुरुआत में एक प्रयोग के रूप में अंग्रेजी के साथ-साथ अन्य भाषाओं में भी स्वतंत्र रूप से विज्ञापन तैयार करवाएं जाएँ और उनकी प्रभावोत्पादकता, संप्रेषणीयता, रोचकता का तुलनात्मक अध्ययन किया जाए।'

3. स्त्रियों में जागरूकता आ भी जाए मगर मुश्किल उसके महत्व की है—वह अपनी जागरूकता का इस्तेमाल कहाँ करे—स्थिति कुछ व्यक्तियों से नहीं बदलती—पूरे परिवेश की मानसिकता बदलने से बदलती है।

4. विषाक्त वातावरण, द्वेष और घृणा की चाबुक से तड़फड़ाते हुए हिंसा के घोड़े, विष फैलाने को सम्प्रदायों को अपने संगठन और उसे भड़काने का पुलिस और नौकरशाही।

5. भविष्य एक बड़ी संभावना है। वर्तमान है उसी संभावना को खोदते जाना जब तक अमृत-रस हाथ न लगे। इस अमृत-रस के लिए वर्तमान को घायल करते रहने की कोई सीमा भी है क्या ? अमृत-रस असीम अबाध है। पाने का यत्न भी अनन्त होना चाहिए।

6. अकेले थे तब कठोर थे। जो कमाते खर्च हो जाता। कुछ बचता नहीं था। कोई चिंता भी नहीं थी। खाते-पीते और तानकर सो जाते थे, देखा जाए तो मजे में थे, पर कुछ अधूरा-सा भी या तो सही। एक किस्म की अनमनापन। जीने का जैसे कोई मतलब नहीं।

7. रेत के उठते बगूले, सूखी खींप की तन्नाती सीटियां, खेजड़े के दरख्त ड्यूटी पर तैनात झुलसते सीमा के मुस्तैद सिपाही से खड़े थे। कहीं कुछ नहीं सिवाय एक भुतैली चुप्पी के, सब डरावने ढंग से खमोश थे।

8. ठंड बहुत तेज थी। उसने कंम्बल की गुमटी में से चेहरा बाहर निकाला तो दांत भिंच गए। कंपकंपी की एक लहर तन में दौड़ गई। रात बहुत बाकी थी। करीब सौ-सवा-सौ गठरियां प्लैटफॉर्म पर दुबकी हुई थीं। सर्द हवा का कोई तीखा वार होता तो कुछ गठरियों में से 'आह-ऊह' की आवाजें निकलतीं।

खण्ड–स

नोट :– किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (शब्द सीमा **500** शब्द)।

9. औपन्यासिक तत्वों के आधार पर 'एक ज़मीन अपनी' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।

10. 'एक ज़मीन अपनी' उपन्यास के प्रमुख पुरुष पात्र की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

11. 'अब उठूंगी राख से' कहानी की कहानी-तत्वों के आधार पर समीक्षा कीजिए।

12. उपन्यास और कहानी में अंतर स्पष्ट कीजिए।